पृथ्वीराज III [पृथ्वीराज-चौहान] 1177-1192 ई.

पिता – सोमेश्वर   जन्म – 1166 ई.

माता – कर्पूरी देवी   उपाधि – राय पिथौरा, दल पंगुल

* पृथ्वीराज III मात्र 11 वर्ष की आयु में शासक बना, तथा इनकी संरक्षिका इनकी माता "कर्पूरी देवी" रही।

* प्रमुख मंत्री → कदम्बवास, भुवनमल्ल, कैमास, स्कन्द, वामन, सोढ [गुजराती].

* दरबारी विद्वान –

(i) चन्दबरदाई → वा. नाम → पृथ्वी भट्ट
ग्रंथ → पृथ्वीराज रासो [पुत्र जल्हण ने पूर्ण].

(ii) जयानक → पृथ्वीराज विजय

(iii) विद्यापती गौड़ (iv) वागीश्वर (v) आशाधर

(vi) विश्वरूप (vii) जनार्दन

Scanned with CamScanner

* पृथ्वीराज चौहान III के शासक बनने के इसके चचेरे भाई अपरगांगेय व नागार्जुन ने विद्रोह किया
* इन्होंने गुडगांव (शुकग्राम) को अपना केन्द्र बनाया
* पृथ्वीराज ने इनके विद्रोह का दमन किया जिसमें अपरगांगेय मारा जाता है, तथा नागार्जुन भाग जाता है.
* सन 1182ई. सतलज क्षेत्र में रहने वाली "भण्डानक जाति" का दमन किया
* सन 1182ई. में चन्देल शासक परमार्दिदेव को हराया है.
* महोबा तुमुल युद्ध (1182ई.).

पृथ्वीराज III V/S. परमार्दिदेव-चन्देल
(विजय).

* इस युद्ध में परमार्दिदेव के दो सेनापति "आल्हा" और "ऊदल" वीर गति को प्राप्त होते हैं
* पृथ्वीराज III, "पजुंनराय" को यहाँ का प्रशासक बना देता है.
* आबू के परमार शासक की पुत्री "इच्छिनी देवी" से विवाह करता है.
* गुजरात, चालुक्य शासक भीम II इस बात से नाराज होता है तथा अजमेर पर आक्रमण करता है
* नागौर युद्ध (1184-1187ई.)

पृथ्वीराज III V/S भीम II
(विजय).

* पृथ्वीराज युद्ध में विजय होता है, तथा "जगदेव प्रतिहार" संधि करवाता है.
* महोबा युद्ध (1182ई.) में परमार्दिदेव-चन्देल की सहायता जयचन्द गहड़वाल ने सहायता की थी.
* जयचन्द की पुत्री "संयोगिता" पृथ्वीराज से प्रेम करती थी.

Scanned with CamScanner

* जयचन्द को जब पता चलता है तो यह संयोगिता का स्वंयवर का आयोजन करता है।

* इस स्वंयवर में जयचन्द पृथ्वीराज III की मूर्ती दरवाजे पर लगवाता है।

* परन्तु संयोगिता इस मूर्ती पर माला डाल देती है, तथा पृथ्वीराज III संयोगिता को स्वंयवर से ले भागता है तथा विवाह करता है.

* इस प्रेम कहानी का वर्णन चन्दबरदई की "पृथ्वीराज रासो" में वर्णन है.

* तराईन का प्रथम युद्ध (1191 ई०).

मु० गोरी V/S पृथ्वीराज III.
(विजय).

* अफगान के गजनी के शासक मु० गोरी भारत पर आक्रमण करता है, तथा सन 1191 ई० में तराईन, हरियाणा में पृथ्वीराज से युद्ध होता है,

* इस युद्ध में पृथ्वीराज III विजयी होता है, तथा मु० गोरी पुनः गजनी चला जाता है.

* इस युद्ध में दिल्ली शासक "गोविन्दराज तोमर" ने पृथ्वीराज III का साथ देता है.

* तराईन का द्वितय युद्ध (1192 ई०).

मु० गोरी V/S पृथ्वीराज III
(विजय).

* मु० गोरी विजय होता है, तथा पृथ्वीराज III की मृत्यु हो जाती है.

* चन्दबरदई की "पृथ्वीराज रासो" के अनुसार - मु० गोरी पृथ्वीराज III को बंदी बनाकर गजनी ले जाता है.

Scanned with CamScanner

- चन्दबरदई स्वंय गजनी जाता है, तथा वहाँ पृथ्वीराज III से मिलता है

- मु० गोरी पृथ्वीराज की आँखे फोड़ देता है.

- चन्दबरदई मु० गोरी से कहता है कि पृथ्वीराज को शब्द भेदी बाण चलाने आते है, आवाज़ पर निशाना लगा सकते हैं

- मु० गोरी द्वारा एक सभा में यह गुण दिखाने को कहा जाता है.

- सभा में चन्दबरदई पृथ्वीराज III से कहते हैं-

" 4 बाँस 24 गज अष्ठ उंगुली प्रमाण
ता पर सुल्तान है, मत चूके चौहाण "

- पृथ्वीराज तीर चलाता है, तथा मु० गोरी मारा जाता है,

* परन्तु चन्दबरदई की इस बात को इतिहासकार नहीं मानते हैं

* "हसन निज़ामी" की book "ताज ऊल मासिर" के अनुसार

- सिरसा, हरियाणा से पृथ्वीराज को गिरफ्तार किया जाता है.

- इन्हे पुनः अजमेर को शासक बनाया जाता है, तथा अजमेर को गोरी अपने अधीन कर लेता है.

- पृथ्वीराज कुछ समय पश्चात पुनः विद्रोह करता है और इस बार पृथ्वीराज को मार दिया जाता है.

* पृथ्वीराज के घोड़े का नाम → "नाट्यरम्भा"

Scanned with CamScanner